>

Title: Issue regarding strike by workers of Coal India Limited.

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा): अध्यक्ष महोदया, हमारे देश के करीब-करीब छः लाख कोयला खदान मजदूर हैं, जिनमें स्थाई भी हैं और ठेके पर काम करने वाले भी हैं। ये सब मजदूर 23, 24 और 25 सितम्बर को हड़ताल पर जा रहे हैं। कोयला उद्योग की पांच केन्द्रीय ट्रेड यूनियन सीटू, एचएमस, बीएमस, एआईयूसी और इंटक ने हड़ताल का नोटिस दिया है। इन ट्रेड यूनियंस की मांग है कि भारत सरकार ने जो फैसला लिया है देश के सरकारी उपक्रमों का विनिवेश करके 40,000 करोड़ रुपए वार्षिक हासिल करने का, उसे निरस्त किया जाए। यहां पर वित्त मंत्री जी भी बैठे हुए हैं। तीन साल पहले कोल इंडिया के दस फीसदी शेयर बेचे गए, विनिवेश किए गए। एक प्रतिशत शेयर ब्रिटेन की एक कम्पनी ने खरीद लिए। जब यहां एनसीडब्ल्यूए (9) ने इन मजदूरों के साथ वेतन करार किया था तो वहां से उन्हें धमकी मिली थी कि हमारे पास कोल इंडिया के एक प्रतिशत शेयर हैं, हमारी इजाजत के बिना आपको वेतन करार नहीं करना चाहिए। आज फिर कोल इंडिया के दस फीसदी शेयर बेचने का फैसला लिया गया है।

अध्यक्ष महोदया: कृपया अपनी बात समाप्त करें।

श्री बसुदेव आचार्य : आपको मालूम है कि कोल इंडिया देश का एक प्रमुख सरकारी उपक्रम है। जब श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1973 में कोयला उद्योग का राष्ट्रीयकरण किया था तो उसके बाद 1990 से सरकार की कोशिश जारी है राष्ट्रीयकृत उद्योग का निजीकरण किया जाए। इस बारे में कानून भी लाया गया, लेकिन सरकार उसमें सफल नहीं हो सकी। अब दूसरा रास्ता निकाला है कि धीरे-धीरे कोल इंडिया के शेयरों का विनिवेश करके उसे निजी क्षेत्र में लाया जाए। हमारे देश की तमाम ट्रेड यूनियंस ने इसका विरोध किया है और तमाम मजदूर भी इसका विरोध कर रहे हैं। जो दूसरा फैसला है, वह भी खतरनाक है। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय ने एक कमेटी का गठन किया था, कोल इंडिया का रिस्ट्रक्चर करने के लिए। कोल इंडिया की जो छः सब्सिडियरी कम्पनीज हैं, उन्हें अलग करने के लिए और इंडिपेंडेंट कम्पनी गठित करने का जो फैसला है, वह भी इसे निजी क्षेत्र में ले जाने का प्रयास है। कोल इंडिया में दो लाख ठेके पर काम करने वाले मजदूर हैं।

अध्यक्ष महोदया: बसुदेव जी, कृपया अपनी बात समाप्त करें।

श्री बसुदेव आचार्य : उन मजदूरों के वेतन का करार हुआ है और एक जनवरी से इसे लागू करने की बात थी। बाकी सब्सिडियरी में यह लागू नहीं हुआ है। आज भी वहां मजदूरों को 100 रुपए से लेकर 150 रुपए की मजदूरी में काम करना पड़ रहा है।

अध्यक्ष महोदया: अब कृपया अपनी बात समाप्त करें।

श्री बसुदेव आचार्य : हमारे देश के तमाम कोयला मजदूर विरोधस्वरूप तीन दिन की हड़ताल पर जा रहे हैं। हमारी सरकार से मांग है कि कल सीसीईए ने जो फैसला लिया है, उसे निरस्त किया जाए।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Prof. Saidul Haque. Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया: श्री बसुदेव आचार्य ने जो विषय सदन में उठाया है, उसके साथ

श्री एम.बी. राजेश,

श्री सोहन पोटाई,

श्री मनसुखभाई डी. वसावा,

श्री रामसिंह राठवा, श्री हंसराज अहीर और

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।